रोल नं.
Roll No. [ ][ ][ ][ ][ ][ ][ ][ ]

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 7

101 **401 (IZA)**

2019

हिन्दी

समय : 3 घण्टे] **[पूर्णांक : 100**

निर्देश : (i) इस प्रश्न-पत्र के **दो** खण्ड **'अ'** और **'ब'** हैं। दोनों खण्डों में पूछे गये **सभी** प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है। प्रश्नों के उत्तर यथा सम्भव क्रमवार दीजिए।

(ii) प्रश्नों के निर्धारित अंक उनके सम्मुख अंकित हैं।

खण्ड - 'अ'

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

व्यक्ति चित्त सब समय आदर्शों द्वारा चालित नहीं होता। जितने बड़े पैमाने पर इन क्षेत्रों में मनुष्य की उन्नति के विधान बनाए गए, उतनी ही मात्रा में लोभ, मोह जैसे विकार भी विस्तृत होते गए, लक्ष्य की बात भूल गए, आदर्शों को मजाक का विषय बनाया गया और संयम को दकियानूसी मान लिया गया। परिणाम जो होना था, वह हो रहा है। यह कुछ थोड़े-से लोगों के बढ़ते हुए लोभ का नतीजा है, परन्तु इससे भारतवर्ष के पुराने आदर्श और भी अधिक स्पष्ट रूप से महान और उपयोगी दिखाई देने लगे हैं।

भारतवर्ष सदा कानून को धर्म के रूप में देखता आ रहा है। आज एकाएक कानून और धर्म में अंतर कर दिया गया है। धर्म को धोखा नहीं दिया जा सकता, कानून को दिया जा सकता है। यही कारण है कि जो धर्मभीरू हैं, वे भी कानून की त्रुटियों से लाभ उठाने में संकोच नहीं करते।

इस बात के पर्याप्त प्रमाण खोजे जा सकते हैं कि समाज के ऊपरी वर्ग में चाहे जो भी होता रहा हो, भीतर-बाहर भारतवर्ष अब भी यह अनुभव कर रहा है कि धर्म कानून से बड़ी चीज है। अब भी सेवा, ईमानदारी, सच्चाई और आध्यात्मिकता के मूल्य बने हुए हैं। वे दब अवश्य गए हैं, लेकिन नष्ट नहीं हुए हैं। आज भी वह मनुष्य से प्रेम करता है, महिलाओं का सम्मान करता है, झूठ और चोरी को गलत समझता है, दूसरों को पीड़ा पहुँचाने को पाप समझता है।

(क) 'व्यक्ति-चित्त सब समय आदर्शों द्वारा चालित नहीं होता' का भाव स्पष्ट कीजिए। 3

(ख) आदर्शों को मजाक का विषय बनाने और संयम को दकियानूसी मान लेने का क्या परिणाम हुआ? 3

(ग) कानून और धर्म में अन्तर कर दिए जाने का क्या परिणाम हुआ है? 3

(घ) किन बातों से यह स्पष्ट होता है कि आम भारतीय यह अनुभव करता है कि धर्म कानून से बड़ी चीज है। 3

(ङ) उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक लिखिए। 3

Downloaded from cclchapter.com

2. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर लगभग 200 शब्दों में निबन्ध लिखिए- 10

(क) राष्ट्र-निर्माण में नारी का योगदान

(ख) विज्ञान के बढ़ते कदम

(ग) जीवन में अनुशासन का महत्त्व

(घ) प्राकृतिक आपदा और उत्तराखण्ड

3. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए– 1×5=5

(क) निम्नलिखित में जनसंचार का श्रव्य-दृश्य माध्यम है–

(i) टी.वी.

(ii) रेडियो

(iii) समाचार पत्र

(ख) निम्नलिखित में एक दैनिक समाचार पत्र है-

(i) कादम्बिनी

(ii) दैनिक जागरण

(iii) इण्डिया टुडे

(ग) 'लाइव' का अर्थ है-

(i) किसी भी खबर को संपूर्णता से पेश करना।

(ii) रिकॉर्डिंग प्रस्तुत करना।

(iii) किसी खबर का घटनास्थल से सीधा प्रसारण।

(घ) सम्पादकीय किसे कहते हैं?

(ङ) इण्टरनेट के दो मुख्य दुष्परिणाम बताइए।

4. 'विद्यालय का वार्षिकोत्सव' पर लगभग 150 शब्दों में एक रिपोर्ट तैयार कीजिए। 5

अथवा

'नैतिक मूल्यों का पतन' विषय पर लगभग 150 शब्दों में आलेख लिखिए।

Downloaded from cclchapter.com

5. निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी **एक** पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए– 2×3=6

(i) मैं निज उर के उद्गार लिए फिरता हूँ,
मैं निज उर के उपहार लिए फिरता हूँ;
है यह अपूर्ण संसार न मुझको भाता
मैं स्वप्नों का संसार लिए फिरता हूँ!

(क) पद्यांश के कवि और कविता का नाम लिखिए।

(ख) कवि के हृदय का उद्गार क्या है, जिसे वह लिए फिरता है?

(ग) कवि संसार को अपूर्ण क्यों कहता है?

(ii) किसबी, किसान-कुल, बनिक, भिखारी, भाट,
चाकर, चपल नट, चोर, चार, चेटकी।
पेटको पढ़त, गुन गढ़त, चढ़त गिरि,
अटत गहन-गन अहन अखेटकी।।
ऊँचे-नीचे करम, धरम - अधरम करि,
पेट ही को पचत, बेचत बेटा-बेटकी।
'तुलसी' बुझाइ एक राम घनस्याम ही तें,
आगि बड़वागितें बड़ी है आगि पेटकी।।

(क) पेट की आग को शान्त करने के लिए लोग क्या-क्या निम्न कार्य कर रहे हैं?

(ख) किस आग से पेट की आग बड़ी है?

(ग) पेट की आग को शान्त करने में कौन समर्थ हैं?

6. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए - 2×2=4

आँगन में ठुनक रहा है ज़िद्याया है
बालक तो हई चाँद पै ललचाया है
दर्पण उसे दे के कह रही है माँ
देख आईने में चाँद उतर आया है।

(क) उक्त काव्यांश में भाव सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए।

(ख) भाषा की दृष्टि से उक्त पंक्तियों के सौन्दर्य पर प्रकाश डालिए।

Downloaded from cclchapter.com

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए - 2×2=4

(क) कवि 'आलोक धन्वा' ने पतंग उड़ाते बच्चों के समूह को 'तितलियों की नाजुक दुनिया' का उपमान दिया है। क्यों?

(ख) बादलों के आगमन से प्रकृति में होने वाले किन-किन परिवर्तनों को 'बादल राग' कविता रेखांकित करती है?

(ग) 'सब घर एक कर देने' का अभिप्राय क्या है? 'कविता के बहाने' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

8. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी **एक** पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए - 2×3=6

(i) यहाँ मुझे ज्ञात होता है कि बाज़ार को सार्थकता भी वही मनुष्य देता है जो जानता है कि वह क्या चाहता है। और जो नहीं जानते कि वे क्या चाहते हैं, अपनी 'पर्चेजिंग पावर' के गर्व में अपने पैसे से केवल एक विनाशक शक्ति-शैतानी शक्ति, व्यंग्य की शक्ति ही बाज़ार को देते हैं। न तो वे बाज़ार से लाभ उठा सकते हैं, न उस बाज़ार को सच्चा लाभ दे सकते हैं।

(क) यह गद्यांश किस पाठ से लिया गया है? इसके लेखक कौन हैं?

(ख) बाज़ार को सार्थकता कौन देता है?

(ग) कौन लोग बाज़ार को विनाशक शैतानी शक्ति बना देते हैं?

(ii) मेरा आदर्श-समाज स्वतंत्रता, समता, भ्रातृता पर आधारित होगा। क्या यह ठीक नहीं है, भ्रातृता अर्थात् भाईचारे में किसी को क्या आपत्ति हो सकती है? किसी भी आदर्श समाज में इतनी गतिशीलता होनी चाहिए जिससे कोई भी वांछित परिवर्तन समाज के एक छोर से दूसरे तक संचारित हो सके। ऐसे समाज के बहुविधि हितों में सबका भाग होना चाहिए तथा सबको उनकी रक्षा के प्रति सजग रहना चाहिए।

(क) इस गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम बताइए।

(ख) लेखक के अनुसार आदर्श समाज का आधार क्या है?

(ग) किसी समाज को कितना गतिशील होना चाहिए?

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए - 3×2=6

(क) भक्तिन का वास्तविक नाम क्या था? वह लोगों से अपना वास्तविक नाम क्यों छिपाती थी?

(ख) इन्दर सेना सबसे पहले गंगा मैया की जय क्यों बोलती है? नदियों का भारतीय सामाजिक, सांस्कृतिक परिवेश में क्या महत्व है?

(ग) 'लाहौर अभी तक उनका वतन है' और 'देहली मेरा' या 'मेरा वतन ढाका है' जैसे उद्‌गार किस सामाजिक यथार्थ की ओर संकेत करते हैं?

Downloaded from cclchapter.com

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए- 2×2=4

(क) यशोधर बाबू अपने घर की खुशहाली में भी उदास और निराश क्यों थे?

(ख) 'जूझ' शीर्षक के औचित्य पर प्रकाश डालिए।

(ग) सिन्धु घाटी की सभ्यता को 'जल संस्कृति' क्यों कहा जाता है?

11. 'सिल्वर वैडिंग' कहानी का सारांश लिखिए। 5

अथवा

'जूझ' पाठ के आधार पर पाठ के नायक की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

खण्ड - 'ब'

12. निम्नांकित गद्यांशं पठित्वा केवलं **त्रीन्** प्रश्नान् पूर्णवाक्येन उत्तरत- 2×3=6
(निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर केवल **तीन** प्रश्नों के उत्तर संस्कृत के पूर्णवाक्य में दीजिए।)

साइमन-आयोगस्य राष्ट्रव्यापि-विरोधसमये पण्डित-जवाहरलालनेहरूमहोदयस्य प्राणरक्षायै आरक्षकाणां दण्डप्रहारान् सः स्वस्य उपरि असहत। तस्मात् कारणात् आजीवनं तस्य शिरः कम्पते स्म। 1930 तमे वर्षे एषः उत्तराखण्डे लवणसत्याग्रहान्दोलनस्य नेतृत्वम् अकरोत् । सत्याग्रहान्दोलनसमये सः कारागारं प्रेषितः।

(क) 1930 तमे वर्षे गोविन्दबल्लभपन्तः कस्य आन्दोलनस्य नेतृत्वं अकरोत् ?

(ख) सत्याग्रहान्दोलनसमये सः कुत्र प्रेषितः?

(ग) सः कदा नेहरूमहोदयस्य प्राणरक्षायै आरक्षकाणां दण्डप्रहारान् स्वस्य उपरि असहत?

(घ) दण्डप्रहारकारणात् किम् अभवत् ?

13. अधोलिखितं श्लोकं पठित्वा **द्वौ** प्रश्नौ संस्कृतभाषायां पूर्णवाक्येन उत्तरत- 2×2=4
(निम्नलिखित श्लोक को पढ़कर किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर संस्कृत के पूर्णवाक्य में दीजिए।)

प्रारभ्यते न खलु विघ्नभयेन नीचैः
प्रारभ्य विघ्नविहिताः विरमन्ति मध्याः।
विघ्नैः पुनः पुनरपि प्रतिहन्यमानाः
प्रारभ्य चोत्तमजनाः न परित्यजन्ति।।

Downloaded from cclchapter.com

(क) नीचैः विघ्नभयेन किम् क्रियते?

(ख) मध्याः किम् कुर्वन्ति?

(ग) विघ्नैः प्रतिहन्यमानाः उत्तमजनाः किम् कुर्वन्ति?

14. अधोलिखित प्रश्नेभ्यः **पञ्च** प्रश्नान् संस्कृतभाषायां पूर्णवाक्येन उत्तरत- 2×5=10
(निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर संस्कृत के पूर्ण वाक्यों में दीजिए)

(क) जिह्वा कीदृशं भाषसे?

(ख) विपदि किम् भवेत् ?

(ग) संस्कृताध्यापकः किम् करिष्यति?

(घ) मण्डूककुलेन का आयोजिता?

(ङ) कस्मात् कारणात् अग्रजः उदरे महान्तं तापं अनुभूतवान्?

(च) 'गान्धारी' कस्य माता आसीत्?

(छ) का वृक्षं वेष्टयते?

(ज) वृक्षेषु केषाम् दर्शनम् भवति?

15. निम्नांकित शब्दसूचीतः शब्दान् चित्वा **चत्वारि** वाक्यानि उत्तरपुस्तिकायां लिखत- 1×4=4
(निम्नलिखित शब्दों में से **चार** शब्दों का संस्कृत में वाक्य प्रयोग कीजिए)
शब्दसूची – अस्माकम्, पादपाः, पठतु, छात्रा, यदा, तत्र, विद्यालयस्य, भूकम्पः, अग्रजः, मेघाः

16. (क) समासविग्रहं कृत्वा समासस्य नामोल्लेखं च कुरूत - 1
(समास विग्रह कर समास का नाम भी लिखिए)
युद्धनिपुणः **अथवा** नीलोत्पलम्

(ख) विभक्ति निर्देशनं कुरूत- 1
(विभक्ति बताइए)
पादेन **अथवा** वृक्षात्

(ग) 'राम' **अथवा** 'बालिका' शब्दस्य तृतीया विभक्तेः एकवचनस्य रूपं लिखत। 1
('राम' **अथवा** 'बालिका' शब्द का तृतीया विभक्ति के एकवचन का रूप लिखिए।)

Downloaded from cclchapter.com

(घ) लकारं पुरूषं च लिखत (लकार और पुरूष लिखिए) 1

गच्छन्ति **अथवा** अपठत्

(ङ) (i) सन्धिं कुरूत (सन्धि कीजिए)– 1

नमः + ते **अथवा** कः + अपि

(ii) सन्धिविच्छेदं कुरूत (सन्धि विच्छेद कीजिए)– 1

तपश्चर्या **अथवा** मूर्खोऽपि

अथवा

अस्मिन् प्रश्नपत्रे आगतं श्लोकं वर्जयन कमपि अन्यं कण्ठस्थं श्लोकं लिखित्वा हिन्दीभाषायां तस्य अनुवादं कुरूत। 3+3=6

(कोई एक कण्ठस्थ श्लोक, जो इस प्रश्नपत्र में न आया हो, लिखिए और हिन्दी में उसका अनुवाद कीजिए।)

*****

Downloaded from cclchapter.com